पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु

प्रशिक्षण कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित **''पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड''** विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला (दिनांक 11–13 नवम्बर, 2024) का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार–पर्यावरण द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्रछाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। कार्यशाला में उपस्थित विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझाव प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. धान्या भास्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफएम, भोपाल ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के अंतर्गत रूपरेखा एवं उसके संकेतक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून ने सम्बोधित करते हुए वनो की मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने पर प्रकाश डाला। डॉ. रॉबिन आर. एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य कार्ड की रचना पद्धति पर प्रकाश डाला। डॉ. दीपक सैमुअल वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अखण्डता के अक्रामक प्रजाति के सूचक विषय पर चर्चा किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनीता तोमर द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और लचीलापन में निरंतर सेवाओं, विषय पर अनुभव साझा किये गए। प्रतिभागियों द्वारा नदियों के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी–रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक–धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.–हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.–अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र – छात्रा आदि उपस्थित रहे

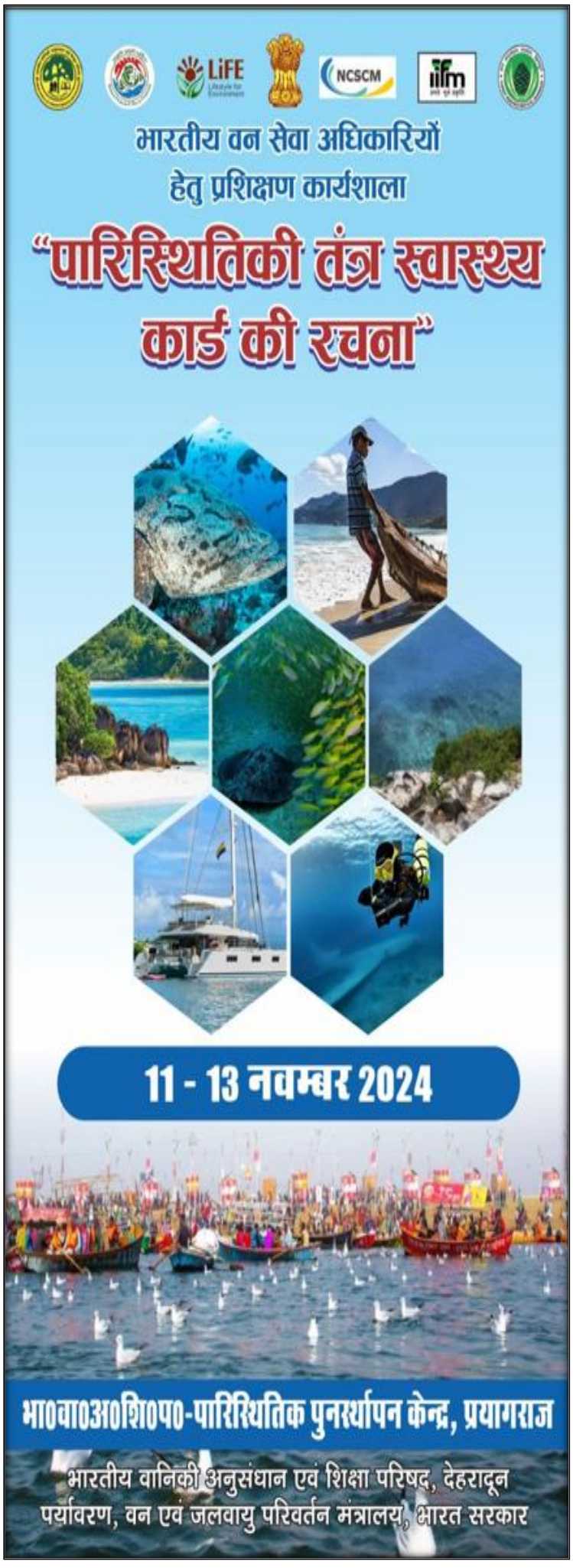
LiFE
NCSCM
iifm
भारतीय वन सेवा अधिकारियों
हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला
"पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य
कार्ड की रचना"
11 - 13 नवम्बर 2024
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

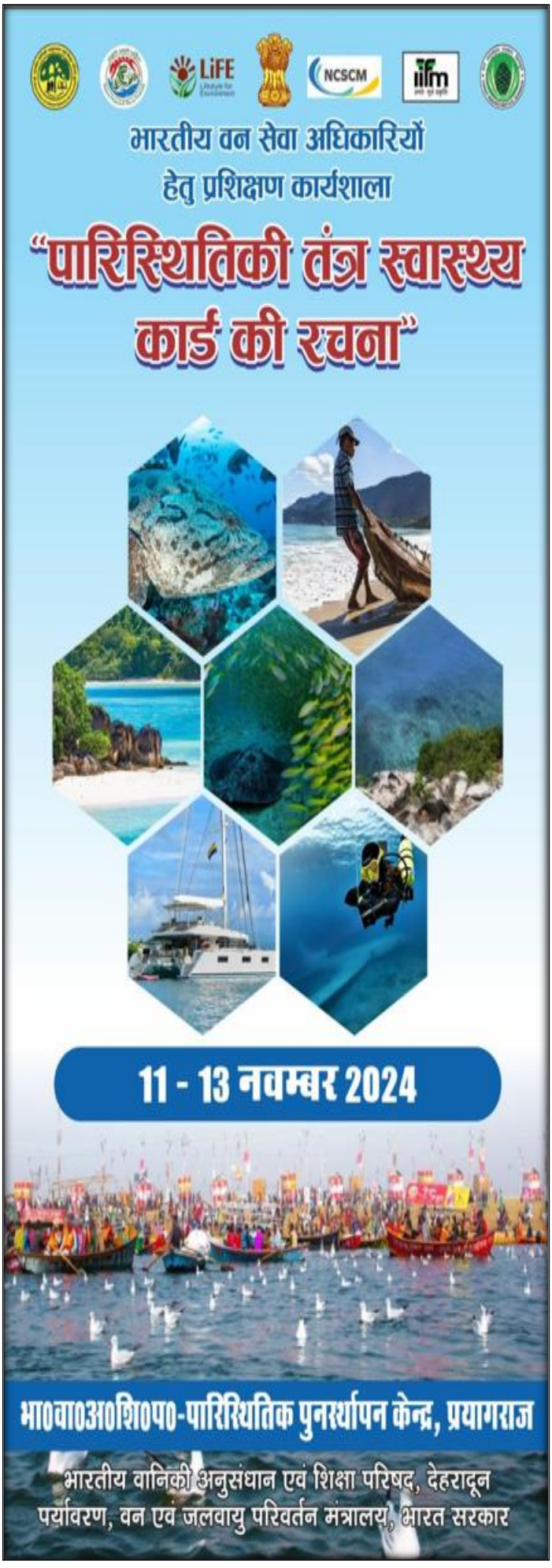
LiFE
NCSCM
iifm
भारतीय वन सेवा अधिकारियों
हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला
"पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य
कार्ड की रचना"
11 - 13 नवम्बर 2024
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

भा0वा0अ0शि0प0

भा0वा0अ0शि0प0

भा0वा0अ0शि0प0

भा0वा0अ0शि0प0
पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज

भा0वा0अ0शि0प0

भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला
“पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड की रचना”

NOVEMBER 2024

NCSCM
प्रशिक्षण कार्यशाला
2024

NCSCM

NCSCM
प्रशिक्षण कार्यशाला
FOREST SERVICE (IFS) OFFICERS

TRAINING WORKSHOP FOR
INDIAN FOREST SERVICE (IFS) OFFICERS ON
"PREPARATION OF ECOSYSTEM HEALTH CARD"
11-13 NOVEMBER 2024
C.F.R.E. ECO-REHABILITATION CENTRE PRAYAGRAJ

ANITA TOMAR
SANJAY SINGH
PURVAJA RAMACHANDRAN
RAJEEV K SRIVASTAV

ICFRE-ECO REHABILITATION CENTRE, PRAYAGRAJ

In collaboration with

NCSCM, CHENNAI & IIFM, BHOPAL

Training Workshop for IFS Officers on

PREPARATION OF ECOSYSTEM HEALTH CARD

(11-13 November, 2024)

1st Row (L-R): Dr. Anita Tomar, ERC; Dr. Dhanya Bhaskar, IIFM; Dr. G. Ramalingam, IFS; Sh. Mana Ram Baloch, IFS; Dr. Purvaja Ramachandran, NCSCM; Dr. Rajeev Kr. Srivastav, IFS; Sh. Arun Kumar Pandey, IFS; Dr. Sanjay Singh, ERC; Sh. P.K. Singh, IFS; Sh. Tulsidas Sharma, IFS.

2nd Row (L-R): Sh. N. Palanikanth, IFS; Dr. Robin R.S, NCSCM; Dr. Rajeev Pandey, ICFRE; Sh. Kumili Venkata Appala Naidu, IFS; Sh. P. Sivakumar, IFS; Sh. Nitish Kumar, IFS.

पर्यावरण संतुलन के लिए स्वास्थ्य कार्ड आवश्यक

- स्वास्थ्य कार्ड से बढ़ेगा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण
- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

प्रयागराज, संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से सोमवार को सिविल लाइंस के एक होटल में तीन दिवसीय भारतीय वन सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य वन अधिकारी व मुख्य सलाहकार पर्यावरण डॉ. राजीव श्रीवास्तव और अतिथियों ने दीप जलाकर किया। कार्यशाला में आईआईएफएम भोपाल और एनसीएससीएम चेन्नई का भी सहयोग रहा। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने जैव विविधता संरक्षण के तहत किए जा रहे प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिस तरह लोगों के बेहतर सेहत के स्वास्थ्य कार्ड की जरूरत होती है उसी तरह पर्यावरण संतुलन के लिए स्वास्थ्य कार्ड आवश्यक है।

स्वागत संबोधन में केंद्र के प्रमुख व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि एनसीएससीएम चेन्नई की निदेशक व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन ने कहा कि समाज के लिए हमें प्राकृतिक संसाधन सुरक्षित रहे इसके लिए स्वास्थ्य कार्ड का पालन करना जरूरी है।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में आईआईएफएम भोपाल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धान्या भास्कर ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। वैज्ञानिक डॉ. राजीव पांडेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रॉबिन आरएस, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपक सैमुअल वी, डॉ. अनीता तोमर ने विषय पर विचार रखे।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में वन अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने संगम का भ्रमण कर गंगा-यमुना के प्रदूषित कारकों को परखा। आभार ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने किया। डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अंबुज कुमार व शोधार्थी मौजूद रहे।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि।

'सुनो जोगी' मन को रोशन करने वाला व

- प्रगतिशील लेखक संघ ने किया बातचीत कार्यक्रम का आयोजन
- कवयित्री संध्या नवोदिता के पहले कविता संग्रह पर हुई चर्चा

प्रयागराज, संवाददाता। सुनो जोगी की कविताएं अपने संसार को आत्म से लपेटने वाली कविताएं हैं। ये कविताएं मन को रोशन करने वाली हैं। हमारे जीवन में जो अंधेरा फैला हुआ है, इन कविताओं को पढ़ने से हम उस अंधेरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। जिसमें, कवि का आत्म अपने को विस्तारित करता हुआ समूची धरती का आत्म बन जाता है। यह बातें वरिष्ठ कथाकार अलका सरावगी ने सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि प्रियदर्शनी अपार्टमेंट के लान में आयोजित कवयित्री संध्या नवोदिता के पहले कविता संग्रह सुनो जोगी और अन्य कविताएं पर बातचीत कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि प्रेम, प्रकृति और प्रतिरोध यहां इस तरह से घुलमिल कर आते हैं कि एक-दूसरे से अलग होकर देख पाना संभव नहीं होता है। संग्रह पर अपनी बात रखते हुए आलोचक प्रो. बसंत त्रिपाठी ने कहा कि संध्याजी की कविताओं में महादेवी वर्मा की कविताओं जैसा ताप देखने को मिलता है। कथाकार अनिता गोपेश ने कहा कि हमारे समय में स्त्री लेखन पर प्रायः यह आरोप लगाया जाता है कि उनका साहित्य संसार बहुत सीमित है लेकिन कवयित्री इस धारणा को आसानी से तोड़ देती हैं।

अध्यक्षता करते हुए प्रो. प्रणय कृष्ण ने कहा कि कवयित्री की प्रेम कविताएं पीड़ा से भरी हैं, जो होना स्वाभाविक

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला

बीके यादव/ बालजी दैनिक

प्रयागराज-भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए

उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. धान्या भास्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफएम, भोपाल ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के अंतर्गत रूपरेखा एवं उसके संकेतक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने सम्बोधित करते हुए वनो की मिट्टी के कत्व को नियंत्रित करने पर प्रकाश डाला। डॉ. रॉबिन आर.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य कार्ड की रचना पद्धति पर प्रकाश डाला।डॉ. दीपक सैमुअल वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक,एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता के आक्रामक प्रजाति के सूचक विषय पर चर्चा किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनीता तोमर द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और लचीलापन में निरंतर सेवाओं विषय पर अनुभव साझा किये गए। प्रतिभागियों द्वारा नदियों के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.-अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण

कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. धान्या भास्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफएम, भोपाल ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के अंतर्गत रूपरेखा एवं उसके संकेतक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने सम्बोधित करते हुए वनो की मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने पर प्रकाश डाला। डॉ. रॉबिन आर.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य कार्ड की रचना पद्धति पर प्रकाश डाला।

डॉ. दीपक सैमुअल वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक,एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता के आक्रामक प्रजाति के सूचक विषय पर चर्चा किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनीता तोमर द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और लचीलापन में निरंतर सेवाओं विषय पर अनुभव साझा किये गए। प्रतिभागियों द्वारा नदियों के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.-अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सम्पन्न

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेनन्ई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा हैं। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेनन्ई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. धान्या भास्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफएम, भोपाल ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के अंतर्गत रूपरेखा एवं उसके संकेतक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने सम्बोधित करते हुए वनो की मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने पर प्रकाश डाला। डॉ. रॉबिन आर.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेनन्ई ने आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य कार्ड की रचना पद्धति पर प्रकाश डाला।डॉ. दीपक सैमुअल वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेनन्ई ने आर्द्रभूमि स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता के आक्रामक प्रजाति के सूचक विषय पर चर्चा किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनीता तोमर द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और लचीलापन में निरंतर सेवाओं विषय पर अनुभव साझा किये गए। प्रतिभागियों द्वारा नदियों के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.-अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने पढ़ा पर्यावरण सुरक्षा का पाठ

PRAYAGRAJ: भावाअ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केंद्र प्रयागराज की ओर से भारतीय बन सेवा अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. राजीव श्रीवास्तव रहे. केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह नै बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया है. कार्यशाला आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है. केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि डा. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों व विधियों पर चर्चा किया.

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला

अमृत प्रभात, प्रयागराज (नि.सं.)। पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.-अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।

वन सेवा अफसरों के लिए तीन दिनी प्रशिक्षण शुरु

प्रयागराज। पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन के लिए भारतीय वन सेवा अफसरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज में सोमवार से तीन दिनी प्रशिक्षण शुरू किया गया।

इसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर आदि उपस्थित थे। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संवाद

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों की कार्यशाला

(सहजसत्ता संवाददाता)

प्रयागराज।भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेनन्ई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेनन्ई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. धान्या भास्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफएम, भोपाल ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के अंतर्गत रूपरेखा एवं उसके संकेतक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने सम्बोधित करते हुए वनो की मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने पर प्रकाश डाला। डॉ. रॉबिन आर.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेनन्ई ने आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य कार्ड की रचना पद्धति पर प्रकाश डाला।डॉ. दीपक सैमुअल वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक,एनसीएससीएम, चेनन्ई ने आर्द्रभूमि स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता के आक्रामक प्रजाति के सूचक विषय पर चर्चा किया। केन्द्रप्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनीता तोमर द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और लचीलापन में निरंतर सेवाओं विषय पर अनुभव साझा किये गए। प्रतिभागियों द्वारा नदियों के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.-अम्बूज कुमार के साथ विभिनन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

विद्रोही सामना संवाददाता

प्रयागराज। भावाअशिप-पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में डॉ. धान्या भास्कर, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएफएम, भोपाल ने पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के अंतर्गत रूपरेखा एवं उसके संकेतक पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने सम्बोधित करते हुए वनो की मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने पर प्रकाश डाला। डॉ. रॉबिन आर.एस., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य कार्ड की रचना पद्धति पर प्रकाश डाला।डॉ. दीपक सैमुअल वी., वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने आर्द्रभूमि स्वास्थ्य एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता के आक्रामक प्रजाति के सूचक विषय पर चर्चा किया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. अनीता तोमर द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र का स्वास्थ्य और लचीलापन में निरंतर सेवाओं विषय पर अनुभव साझा किये गए। प्रतिभागियों द्वारा नदियों के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी-रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि.-अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण सुधार पर कार्यशाला में हुई विस्तृत चर्चा

पर्यावरण सुधार हेतु रिपोर्ट कार्ड बनाने पर भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। भावाअशिप पारिस्थितिक पुनर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ÷पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड÷ विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा एवं वर्तमान मुख्य सलाहकार-पर्यावरण के साथ उपस्थित गणमान्य अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मंचासीन अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की छत्र छाया में पर्यावरण के सतत विकास एवं

परिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा आईआईएफएम, भोपाल एवं एनसीएससीएम, चेन्नई के संयुक्त तत्त्वधान में किया जा रहा है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, पाठ्यक्रम समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यशाला की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने भारत की जैव विविधता संरक्षण के अंतर्गत होने वाले प्रयासों एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के नियंत्रण विधियों पर चर्चा किया। विशिष्ट अतिथि तुलसीदास शर्मा, वन संरक्षक, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन पर सुझावों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. पूर्वजा रामचंद्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आद्रभूमि संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जल शोधन के साथ जैव विविधता को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में प्रतिभागी वन सेवा अधिकारियों के साथ डॉ. कुमुद दूबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार, प्र.श्रे.लि.-हरीश कुमार, अ.श्रे.लि. अम्बूज कुमार के साथ विभिन्न शोध छात्र - छात्रा आदि उपस्थित रहे।